प्रेस विज्ञप्ति

गोविन्द बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय
पंतनगर, जिला– ऊधमसिंह नगर (उत्तराखण्ड)

कृषि के साथ पशुपालन से किसानों की आय में वृद्धि

पंतनगर 29 सितम्बर 2022। विवेकानंद पर्वतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, अल्मोड़ा के प्रयोगात्मक प्रक्षेत्र हवालबाग में रबी किसान मेले का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि कुलपति, गोविन्द बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, पंतनगर, डा. मनमोहन सिंह चौहान ने विवेकानंद पर्वतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, अल्मोड़ा की ओर से पर्वतीय कृषि में हो रहे अनुसंधानों की प्रशंसा एवं संस्थान के सभी वैज्ञानिकों को बधाई दी।

अपने संबोधन में कुलपति पर्वतीय क्षेत्रों में पलायन पर चिंता व्यक्त करते हुए उन्नत प्रजातियों के बीजों को अपनाने की सलाह पर्वतीय कृषकों को दी। पहाड़ में खेती के साथ पशुपालन अपनाने पर विशेष जोर दिया। साथ ही मूल्य संवर्धन पर बल देते हुए उन्होंने युवाओं से मशरूम शहद, दूध उत्पाद से रोजगार से जुड़ने को कहा, ताकि पहाड़ से पलायन कम किया जा सके। कुलपति, सोबन सिंह जीना विश्वविद्यालय, अल्मोड़ा, प्रो. एन.एस. भंडारी ने नई शिक्षा नीति के अंतर्गत अनुसंधानों में नवाचार पर विशेष रूप से ध्यान आकर्षित किया। निदेशक, नेशनल डेयरी रिसर्च संस्थान, करनाल, डा. धीर सिंह ने कहा कि किसान वैज्ञानिक पद्धति को अपनाकर आय तीन गुनी तक कर सकते हैं। निदेशक, जीबी पंत राष्ट्रीय हिमालयी पर्यावरण संस्थान, अल्मोड़ा, प्रो. सुनील नौटियाल ने कृषि के सतत विकास के लिए संस्थान संरक्षण एवं स्थानीय आर्थिकी बढ़ाने पर बल दिया। संस्थान के पूर्व निदेशक, डा. जेसी भट्ट ने कृषि विकास के लिए संस्थान से विकसित तकनीक को पहाड़ी क्षेत्र के अंतिम किसान तक पहुंचाने की अपील की। निदेशक, विवेकानंद पर्वतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, अल्मोड़ा, डा. लक्ष्मीकांत ने संस्थान में किये जा रहे उत्कृष्ट कार्यों की जानकारी हेतु सभी वैज्ञानिकों का आभार व्यक्त किया।

किसान मेले में विवेकानंद पर्वतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, अल्मोड़ा के माध्यम से विकसित की गई वीएल गेहूं 2028, 3010 प्रजातियों को किसानों हेतु भी मेले में प्रदर्शित किया गया। अतिथियों ने संस्थान के प्रकाशनों उत्तराखण्ड के पर्वतीय क्षेत्रों हेतु जेठी धान एवं चैती धान की वैज्ञानिक खेती का भी विमोचन किया। किसान मेले में विवेकानंद पर्वतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, अल्मोड़ा की ओर से प्रगतिशील किसान सुरेश चन्द्र, मनोज कोरंगा, मदन मोहन टम्टा, सुंदर लाल, प्रताप राम एवं मनोहर लाल को सम्मानित किया गया। कृषकों को वीएल सोलर ड्रायर एवं लघु कृषि यंत्रों भी बांटे गए। किसान मेले में 27 प्रदर्शनी भी लगाई गई। इस मेले में लगभग 700 किसानों ने प्रतिभाग किया।